केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 58 शुक्रवार 20 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सरयू का जल स्तर घटा, कटान का खतरा बरकरार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विक्रमजोत (बस्ती) । सरयू नदी का जलस्तर तेजी से कम हो रहा है जिसके चलते बाढ़ प्रभावित गांवों में भरा बाढ़ का पानी नदी की ओर लौट रहा है।बाढ़ के पानी के साथ आयी सील्ट प्रमुख रास्तों और स्कूल कैम्पस में जमा हो गयी है।गांव में भरे बाढ़ के पानी से जमीने दलदली हो गयी है और जगह जगह पानी जम गया है। वही कीचड़ और पानी भरने से हरी घासों के सड़न व दुर्गंध से बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है।

विक्रमजोत क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों में संक्रामक रोग की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य टीम आवश्यक टीकाकरण और दवाओं का छिड़काव करने में फिसड्डी साबित हो रही है। कल्याणपुर के ग्राम प्रधान जैसराज ने बताया कि एएनएम और आशा के आलावा कोई स्वास्थ्य टीम गांव में झांकने नहीं आयी। विगत वर्ष की भांति पशु पालन विभाग के चिकित्सक गांव का दौरा तो किए लेकिन दुधारू पालतू पशुओं को मुहपका खुरपका का टीका नहीं लगाने आयी। पशु चारे के संकट की जानकारी देने के बाद भी बाढ़पीड़ितों में भूषा इत्यादि का वितरण अभी तक सुनिश्चित नहीं किया गया है। कोटेदार हेमंत पाण्डेय ने बताया कि बाढ़ में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। स्वास्थ्य विभाग से मांग की गयी कि कल्याणपुर संदलपुर भरथापुर में मच्छर रोधी गैस का छिड़काव और मच्छरदानी का वितरण कराया जाय। ग्रामीणों ने बताया कि मच्छर जनित रोग फैलना का खतरा बढ़ गया है।

रूधौली बोर्ड की बैठक में नौ करोड़ का प्रस्ताव पास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

रुधौली (बस्ती)। आदर्श नगर पंचायत रुधौली के बोर्ड की बैठक हुई। चेयरमैन धीरसेन निषाद की अध्यक्षता में शहीद कीर्तिकर निषाद सभागार में हुई बोर्ड की बैठक में नगर पंचायत के सभी वार्डों में विकास पर चर्चा की गई। बैठक में नौ करोड़ रुपए बजट का प्रस्ताव पारित हुआ। बोर्ड की बैठक में ईओ कीर्ती सिंह ने बताया कि नगर पंचायत में विवाह घर का निर्माण होगा। सरघाट माता के मंदिर तथा बाबा भिटेश्वर नाथ मन्दिर के जीर्णोद्धार कराया जाएगा। नगर पंचायत में रैन बसेरा एवं ओपेन जिम के साथ सभी वार्डों के मुख्य मार्ग पर गेट बनाया जाएगा। नगर पंचायत के मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा।

बैठक में सभासद गुलाबा देवी, सुशीला देवी, गुंजन आर्या, सुजीत सोनी, प्रतीक सिंह, विनोद कुमार, अनिल मौर्या, पंकज कुमार शशांक, पंकज सिंह, लक्ष्मण, मोहम्मद इस्माइल आदि उपस्थित रहे।

चिन्हित किये जा रहे हैं ब्लेक स्पाट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत जिले के 1185 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 213 ग्राम पंचायतों ब्लैक स्पॉट चिह्नित किया जा रहा है। लगभग 500 राजस्व गांवों में सफाई कर्मी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, एडीओ पंचायत व अन्य अधिकारी यह देखने निकले हैं कि वह कौन सी जगह है, जहां पर आमतौर पर लोग कूड़ा फेक जाते हैं। उन जगहों पर कूड़ा फेंकने का कारण क्या है। उसकी पहचान की जाएगी। इसके बाद चिह्नित ब्लैक स्पॉट की सफाई होगी। इसमें श्रमदान भी कराया जाएगा। भविष्य में ब्लैक स्पॉट नहीं बने, इसके लिए भी उपाय किए जाएंगे।

महादलित परिवार के घरों में लगाई आग: 15 गिरफ्तार

पटना (आभा)। बिहार के नवादा में महादलित परिवार के घरों को आग के हवाले करने के मामले में 28 नामजद लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने अब तक 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने इस कांड के मुख्य आरोपी नंदू पासवान को भी पकड़ लिया है। इस केस के ज्यादातर आरोपी दलित हैं। बता दें कि मुफस्सिल थाना इलाके में देदौर गांव में नदी किनारे बसे कृष्णा नगर टोले में महादलित समाज के घरों को बुधवार रात आग के हवाले कर दिया गया था। आरोपियों ने मौके पर फायरिंग भी की थी।

बिहार सरकार में मंत्री रत्नेश सदा ने गुरुवार को घटनास्थल का जायजा लिया और पीड़ितों से बातचीत कर राहत मुहैया कराने एवं उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। घटना की जांच के लिए पटना के अपर पुलिस महानिदेशक (विधि व्यवस्था) संजय सिंह, मगध रेंज के आईजी क्षत्रनील सिंह और कमिश्नर प्रेम सिंह मीणा गुरुवार दोपहर नवादा पहुंचे। डीएम–एसपी समेत विभिन्न पदाधिकारियों के साथ सर्किट हाउस में बैठक कर पूरे हालात पर चर्चा की। बाद में तीनों अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया।

पूरा मामला जमीन विवाद में दबंगों द्वारा कृष्णा नगर टोले में स्थित महादलित परिवारों के घरों को फूंक दिए जाने, क्षतिग्रस्त करने एवं फायरिंग करने से जुड़ा है। घटना बुधवार की रात हुई थी। इसमें 10–12 बकरियों व कुछ मुर्गियों के झुलसने से मौत हो गई। हालांकि घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की खबर नहीं है।

पीड़ितों का आरोप है कि 30 से अधिक फूंस, मिट्टी एवं कच्चे ईंट से बने घरों को फूंक दिया गया, जिसमें पीड़ितों के घरों में रखा सारा अनाज, कपड़ा, चूल्हा, बर्तन, पंखा, डीजल पंपिंग सेट, रिक्शा, साइकिल आदि सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना में एक बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। जिला प्रशासन द्वारा 21 घरों को फूंक देने एवं 13 घरों को क्षतिग्रस्त कर दिए जाने की पुष्टि की गई है। डीएम आशुतोष कुमार वर्मा एवं एसपी अभिनव धीमन ने बताया कि घटनास्थल पर मजिस्ट्रेट व पुलिसबलों की तत्काल प्रतिनियुक्ति कर दी गई है।

नवादा कांड में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के प्राण बिगहा गांव निवासी नंदू पासवान, महेश पासवान, अखिलेश कुमार, नंदू पासवान का बेटा रामनगीना, राजकुमार पासवान, अविनाश कुमार उर्फ अभिषेक कुमार, विक्रम पासवान, दीपक पासवान, मुकेश पासवान, वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के ठेरा सराय गांव निवासी विकास पासवान, काशीचक थाना क्षेत्र के उपरावां (वर्तमान निवास प्राण बिगहा) गांव निवासी पवन पासवान, नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र के रघनाथपुर गांव निवासी दशरथ चौहान, रामशरण चौहान, बद्री चौहान एवं सिपाही चौहान शामिल हैं।

श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल में पेशाब की थैली से 60 एम.एम. के पथरी का सफल आपरेशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में सर्जन डा. अमित नायक ने एक मरीज के पेशाब की थैली से 60 एम.एम. के पथरी का सफल आपरेशन किया। डा. नायक ने बताया कि पेशाब की थैली में पथरी के बहुत कम मामले आते हैं। यदि मरीज का समय से आपरेशन न होता तो वह जानलेवा हो जाता।

बस्ती जनपद के अरजुही निवासी 59 वर्षीय परसुराम को पेशाब की नली में दिक्कत थी, उसे श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जांच के बाद सर्जन डा. अमित नायक ने सफल आपरेशन कर मरीज को नया जीवन को दिया।

श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के चेयरमैन बसंत चौधरी ने इस सफलता पर चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों की पहल का स्वागत करते हुये कहा कि पूरा प्रयास जारी है कि पूर्वान्चल के मरीजों को बेहतर इलाज के लिये महानगरों की ओर न भटकना पड़े। ऐसी समस्याओं के निदान हेतु यूरोलॉजी विभाग स्थापित किया गया है। बताया कि आयुष्मान कार्ड के साथ ही केन्द्र और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य से सम्बंधित सभी सुविधायें मरीजों को उपलब्ध हैं। बीमित मरीजों के इलाज की भी पूरी व्यवस्था है। मरीजों को जांच, परीक्षण के साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा एक ही स्थान पर श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में मिल रही है।

डा. नवीन उपाध्यक्ष, डा. वी.के. वर्मा राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व संवाद परिषद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर डा. नवीन सिंह को योग एंड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फेडरेशन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और वरिष्ठ आयुष चिकित्सक डा. वी. के. वर्मा को राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बनाया गया है।

एनवाईएसडीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार राणा और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक सिंह ने दोनों पदाधिकारियों से योग और खेल के क्षेत्र में सहभागिता बढाने का आग्रह किया है।

दोनों आयुष चिकित्सको को राष्ट्रीय पदाधिकारी बनाए जाने पर योग और खेल से जुड़े अनेक वरिष्ठ जनों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

रेनू सिंह बनीं अखिल भारत हिंदू महासभा की महिला जिलाध्यक्ष

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। अखिल भारत हिंदू महासभा त्रिदंडी ने परशुरामपुर ब्लाक की पड़री बाबू निवासी रेनू सिंह को महिला संवर्ग की जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति आदेश अखिल भारत हिंदू महासभा त्रिदंडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि कुमार त्रिवेदी द्वारा जारी किया गया। श्रीमती सिंह की नियुक्ति करते हुए उन्होंने अपेक्षा किया है कि वह हिंदू महासभा त्रिदंडी की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगी तथा संगठनात्मक रूप से हिंदू महासभा त्रिदंडी को एक माह में जनपद में 45 सदस्यीय महिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए मजबूती प्रदान करेंगी। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लक्ष्य मानकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

फैक्ट्री खोलने का सपना दिखाकर महिलाओं को बनाया ठगी का शिकार

-बैंकों की कर्जदार हो चुकी महिलाओं ने डीएम से लगाया न्याय की गुहार

- अखिलेश सिंह ने किया मामले की जांचः दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फैक्ट्री खोलने और उसमें साझेदार बनाने का झांसा देकर अनेक महिलाओं को जालसाजों ने बैंकों का कर्जदार बना दिया। महिलाओं को इसकी जनकारी तब हुई जब बैंकों से वसूली के लिये पत्र आने लगे और उन पर कर्ज जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। अनेक घरों में इसे लेकर पारिवारिक कलह का माहौल है। जालसाजी का शिकार हो चुकी परेशान महिलायें न्याय के लिये भटक रही है। गुरूवार को जालसाजी का शिकार हुई महिलायें विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के घर पर पहुंची और कर्ज के चंगुल से बचाने की गुहार लगाया। अखिलेश सिंह पीड़ित महिलाओं के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और महिलाओं की ओर से जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि जांच कराकर महिलाओं को उत्पीड़न से बचाया जाय।

जिलाधिकारी को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि रेखा पत्नी अनन्त ग्राम–कसैला, थाना–मुण्डेरवा, तहसील व जिला–बस्ती की निवासिनी है। उसके गांव की दीपमाला पुत्री हीरालाल की शादी बबलू साकिन–दक्षिणद्वारा, करौजी, गनेशपुर, थाना–वाल्टरगंज, जिला–बस्ती के साथ हुई है। करीब दो वर्ष पूर्व दीपमाला जब अपने मायके आयी हुई थी, तो उसने रेखा से कहा कि वह एक फैक्ट्री लगाने वाली है जिसमें उसे पार्टनर बनाना चाहती है। दीपमाला ने रेखा से कहा कि आप अपना आधार कार्ड, वोटर कार्ड व 10 फोटो मुझे दे दो और उसमें जो भी लाभ होगा उसमें तुमको बराबर का हिस्सा देंगे। दीपमाला की बातों पर विश्वास करके रेखा ने उसे अपना आधार कार्ड वोटर कार्ड व 10 फोटो दे दिया। एक सप्ताह बाद दीपमाला ने घर आकर उससे तमाम कागजात पर हस्ताक्षर करवाया, उस समय दीपमाला के साथ उसके सहयोगी अंशू व रवि भी मौजूद थे। उसके बाद उक्त तीनो लोग उसे कई बैंको पर ले जाकर लोन निकलवाकर रूपया अपने पास रख लिया। वह रूपयों के बारे में पूँछती तो कहती है कि जल्दी ही फैक्ट्री लगवायेंगे, परन्तु अभी तक फैक्ट्री के सम्बन्ध में कुछ नहीं किया। इसी दौरान बैंक से ऋण की वसूली भी आ गयी। तब रेखा ने दीपमाला से लोन की अदायगी के बारे में कहा तो दीपमाला, अंशू व रवि उपरोक्त ने कहा कि फैक्ट्री का काम नहीं हो पायेगा और आपका रूपया भी खर्च हो गया है, लेकिन लोन का रूपया अदा कर दिया जायेगा। परन्तु उक्त लोगों ने लोन का रूपया न तो उसे वापस किये न ही बैंक को अदा कर रहे है। शिकायत करने पर भद्दी–भद्दी गालियाँ व जान से मार डालने की धमकी देते हुए आमादा फौजदारी हो जाते है। इस तरह से उन लोगों ने झूठ बोलकर सरोज पत्नी संजय, सुनीता पत्नी राजेश, रीता पत्नी रम्पत, इन्द्रावती पत्नी श्रीपत, ज्योति पत्नी शेर बहादुर, बिन्दु पत्नी विजयी, राधिका पत्नी राम सहाय, उर्मिला पत्नी राम मूरत, राधिका पत्नी मनीराम, तारामती पत्नी दिलीप कुमार, सुखी पत्नी सुखराम, रेशमा पत्नी विनोद, चन्दना पत्नी पाटन साकिन–अनुआ, थाना–लालगंज जिला–बस्ती से तथा वंदना पत्नी नीरज, विन्द्रावती पत्नी अनिल कुमार, माया पत्नी सुनील कुमार, विन्द्रावती पत्नी प्रमोद, कमलावती पत्नी रमाकान्त, सिन्धू पत्नी विनय, इशरावती पत्नी ह्दयराम, प्रेमलता पल्ली गया प्रसाद, ममता पत्नी मंजीत, मनीषा पत्नी अजय, आशा पल्ली जगदीश, इन्वायती पत्नी सुबाष साकिन कसैला, थाना–मुण्डेरवा, तहसील व जिला–वस्ती के नाम पर भी विभिन्न बैंकों बंधन बैंक, भारत बैंक, वंदना बैंक, मिड लैंड, कमल बैंक, एक्सिस बैंक, ग्रामीण कोटा, सामदूजा बैंक, उत्कर्ष बैंक, आई०डी०एफ०सी० बैंक, एच०डी०एफ०सी० बैंक, आर० बी० एल० बैंक, टाटा बैंक से लोन करवाकर रूपया हड़प लिया है।

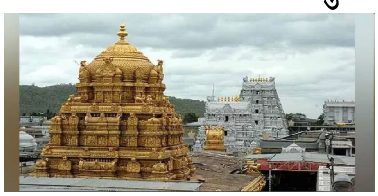

मुण्डेरवा थाना क्षेत्र की कसैला निवासी रेखा पत्नी अनन्त ग्राम कसैला थाना मुण्डेरवा सहित अन्य पीड़ित महिलाओं ने मांग किया है कि दीपमाला व अन्य जालसाजों की जांच कराकर बैंकों से लिये गये ऋण की अदायगी कराया जाय।

तिरुपति मंदिर के प्रसाद में फिश आयल मिलने की पुष्टि

हैदराबाद (आभा)। तिरुपति मंदिर के प्रसाद में फिश ऑयल मिलने की पुष्टि हुई है. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी मिलाने का आरोप लगाया था. इसके बाद सैंपल जांच के लिए भेजे गए. अब जांच के बाद रिपोर्ट सामने आई है जिसमें फिश ऑयल मिलने की बात कही गई है. बुधवार को सीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर आरोप लगाया था कि जगन राज में तिरुपति मंदिर के प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी मिलाई गई।

एक कार्यक्रम के दौरान नायडू ने कहा था कि प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और घटिया क्वालिटी का सामान इस्तेमाल होता था. उन्होंने कहा कि हमने ये सुनिश्चित किया कि प्रसाद में असली घी, साफ–सफाई और अच्छी क्वालिटी का ध्यान रखा जाए।

सीएम नायडू के इस बयान पर जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी ने भी जवाब दिया. इसमें कहा गया कि चंद्रबाबू नायडू ने दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया है. चंद्रबाबू नायडू द्वारा तिरुमाला के प्रसाद पर की गई टिप्पणी बेहद घटिया है. मनुष्य जन्म में जन्मा कोई भी व्यक्ति ऐसे शब्द नहीं बोलता और न ही ऐसे आरोप लगाता है. एक बार फिर यह साबित हो गया है कि राजनीति के लिए चंद्रबाबू कुछ भी गलत करने से नहीं हिचकिचाएंगे।

वॉकी–टॉकी, पेजर में विस्फोट से 20 की मौत

बेरूत (आभा)। लेबनान में वॉकी–टॉकी और पेजर सहित संचार उपकरणों के फटने से कम से कम 20 लोगों की जान चली गई और 450 से अधिक घायल हो गए। ताजा हमला लेबनान में पेजर्स विस्फोट में 20 लोगों की मौत और 2,800 से अधिक अन्य के घायल होने के ठीक एक दिन बाद हुआ है।

पेजर विस्फोट में हिजबुल्लाह के सांसद अली अम्मार के बेटे मोहम्मद महदी अम्मार की भी मौत हो गई थी। इस बीच, इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने युद्ध में एक "नए चरण" की शुरुआत की घोषणा की और कहा कि अब ध्यान उत्तरी क्षेत्र पर है।

एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, गैलेंट ने कहा, "हम युद्ध में एक नए चरण की शुरुआत में हैं । हम उत्तरी क्षेत्र के लिए संसाधन और बल आवंटित कर रहे हैं और हमारा मिशन स्पष्ट है इजराइल के उत्तरी समुदायों की उनके घरों में सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना ऐसा करने के लिए, सुरक्षा स्थिति को बदला जाना चाहिए।"एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले बुधवार को लेबनानी रेड क्रॉस के दर्जनों एंबुलेंस कर्मचारियों ने लेबनान में वॉकी–टॉकी विस्फोटों के बाद घायल हुए लोगों को बचाने और निकालने के लिए काम किया था।

मण्डलायुक्त ने किया विकास कार्यो की समीक्षा विकास कार्यो में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शासन के प्राथमिकताओं के विकास कार्यो की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने मण्डलीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने विभाग से संबंधित योजनाओं में अपेक्षित प्रगति लाते हुए जनपद को ए + श्रेणी में लाया जाय। उन्होने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुनिश्चित करे कि अस्पतालो में मरीजो को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पायें। बाढ़ कटान से संबंधित मामलो में उन्होने संबंधित को निर्देशित किया कि तत्परता के साथ राशनकिट समय से उपलब्ध कराया जाय। जनता दर्शन में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को गुणवत्ता के साथ निस्तारित किया जाय। उन्होने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों से प्राप्त शिकायतो को भी समय से निस्तारित करते हुए उनको अवगत कराया जाय। स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के संबंध में समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्ययोजना बनाते हुए इस महाअभियान को सफल बनायें।

उन्होने कहा कि सरकार की समस्त योजनाओ को समयबद्धता के साथ पात्र लाभार्थियों को लाभ दिया जाय। बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों का समय–समय पर औचक निरीक्षण करते रहें। इसके साथ ही बच्चों के मध्यांह भोजन की गुणवत्ता भी जॉची जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि विकास कार्यो में किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेंगी। मण्डलीय अधिकारी विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को समय से पूरा करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, सिद्धार्थनगर के डा. राजा गणपति आर, संतकबीर नगर के महेन्द्र सिंह तवर उपस्थित रहें।

उन्होने सड़क निर्माण, दिव्यांग पेंशन, आधार फीड़िग, 15वॉ वित्त आयोग, स्वच्छ भारत मिशन, पर्यटन विभाग, कृत्रिम गर्भाधान, मत्स्य उत्पादन, कन्या सुमंगला योजना, सेतु निर्माण, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, फसल बीमा, पीएम कुसुम, स्ट्रीट लाइट, पं0 दीनदयाल स्ट्रीट लाइट, एकीकृत बागवानी, खराब ट्रांसफार्मर, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, बायोमेडिकल उपकरण, निराश्रित गोवंश का संरक्षण, शादी अनुदान योजना, निराश्रित महिला पेंशन, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजना तथा पशुओ का टीकाकरण आदि योजना की गहन समीक्षा किया।

उन्होने महत्वपूर्ण कार्यो में गुणवत्तापूर्ण व तेजी लाने के लिए विभागीय नोडल तथा तकनीकि अधिकारी नामित कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार ने किया। इसमें सीडीओ जयदेव सी.एस., जयेंद्र कुमार, जयकेश त्रिपाठी, उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, तीनों जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारीगण, मुख्य अभियन्ता पीडब्ल्यूडी, तीनों जिलों के अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत विजय कुमार वर्मा तथा मण्डल के विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चौपाल लगाकर विधायक अजय सिंह ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां, सुनी समस्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह द्वारा आपका सेवक आपके द्वार अभियान के तहत विभिन्न गांवों में चौपाल लगाकर सरकार की उपलब्धियां जनता को बताने के साथ ही उनकी समस्याएं सुनकर उसका निराकरण करने का काम लगातार जारी है। उक्त अभियान के तहत गुरुवार को विधायक परशुरामपुर विकासखंड के खम्हरिया, करनपुर, पितूड़ा, रोहदा और सुकरौली पाण्डेय में ग्रामीणों से रूबरू हुए और उनका कुशल क्षेम जाना साथ ही कई गांव में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में भी शामिल हुए। चौपाल में बड़ी संख्या में किसान, दलित, महिला, बुजुर्ग, युवा शामिल हुए जिनसे संवाद बनाते हुए विधायक ने उनकी समस्याओं से अवगत होकर उनका निराकरण किया। विधायक ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज भारत का नाम दुनिया में शक्तिशाली देशों के रूप में उभरा है। गरीब, मजदूर, किसान, शोषित पिछड़ों के लिए बहुत काम हुए हैं। गरीबों के लिए आयुष्मान भारत योजना, जनधन खाता योजना, फसल बीमा योजना, शौचालय योजना, उज्वला योजना सहित सैकड़ों जनकल्याणकारी योजनाएं सरकार द्वारा संचालित की जा रही है, जिससे देश और प्रदेश की जनता को लाभ हो रहा है। हम और हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता लोगों की मूलभूत समस्याओं को दूर करना है।

इस अवसर पर रामचंद्र तिवारी, राज दत्त शुक्ला, राम प्रताप पाण्डेय, आशुतोष सिंह छोटे, सुरेंद्र शुक्ला, वीरू सिंह, विक्कू सिंह, बड़े सिंह, मनीष सिंह, भरत सिंह, लवकुश वर्मा, पप्पू मौर्य, अशोक सिंह, सुषमा, रामनिवास पांडेय, सीताराम यादव, अनिल मिश्रा, पंकज शुक्ला, रामनयन यादव, अखिलेश पाण्डेय, अजय चौधरी, परमहंस चौधरी, अरविंद चौधरी, धुव कुमार चौधरी, राम प्रसाद यादव आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 सितम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

पेजर धमाकों का खतरा

लेबनान व सीरिया में एक साथ हुए पेजर धमाकों ने इन देशों को ही नहीं, पूरी दुनिया को चौंकाया। लोगों को समझने में देर लगी आजकल उन्नत मोबाइल फोनों के दौर में पेजर का इस्तेमाल? दरअसल, तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत इस्राइली फौज व दुनिया में तहलका मचाने वाली खुफिया एजेंसी मोसाद मोबाइल के जरिये अपने कट्टर दुश्मनों को निशाना बनाते रहे हैं। इसी वजह से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाके अपनी स्थिति गोपनीय रखने के मकसद से पेजरों का इस्तेमाल सूचना संकेतों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल पेजर धमाकों की शृंखला में लेबनान में नौ लोगों के मरने व पौने तीन हजार लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। लेकिन वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। वहीं सीरिया में पेजर धमाकों की शृंखला देखी गई। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम इस्राइल–हिजबुल्लाह संघर्ष के चिंताजनक स्थिति में पहुंचने का संकेत देता है। युद्ध में इस तरह की रणनीति का पहली बार दुनिया के सामने खुलासा हुआ है, जिसमें अपने विरोधी देश के संचार उपकरणों को निशाना बनाकर हमला किया गया हो। जो इस क्षेत्र में लंबे समय से जारी संघर्ष में परिष्कृत नई रणनीति को ही दर्शाता है। वहीं हिजबुल्लाह की सुरक्षा परत की कमजोरियों को भी उजागर करता है। निस्संदेह, हिजबुल्लाह ईरान समर्थित लेबनान की एक प्रमुख ताकत है, जो उन्नत इस्राइली ट्रैकिंग सिस्टम से बचने के लिये अपेक्षाकृत कम उन्नत तकनीक वाले उपकरण पेजर पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि हिजबुल्लाह लड़ाकों, चिकित्सकों तथा नागरिकों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले पेजर बेरूत के दक्षिणी उपनगरों व बेका घाटी सहित लेबनान के कई गढ़ों में एक साथ फट गए। अस्पताल की तरफ भागती सैकड़ों एंबुलेंसों से पूरे लेबनान में भय व असुरक्षा का माहौल बन गया। यहां तक कि सीरिया के कुछ हिस्सों में भी धमाकों की गूंज सुनायी दी, वहां भी हिजबुल्लाह के लड़ाके इससे प्रभावित हुए।

बहरहाल, लेबनान व सीरिया में पेजर धमाकों की शृंखला पूरी दुनिया को कई सबक देती है कि संकटकाल में अपने संचार नेटवर्क को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिये बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। विज्ञान व तकनीकी उन्नति ने युद्धों का पूरा स्वरूप ही बदल दिया है। परंपरागत सेना व सुरक्षा की सारी अभेद्य दीवारें तकनीक के हमलों के आगे बेकार साबित हो रही हैं। बहरहाल, इन हमलों के लिये, इस्राइली खुफिया एजेंसी पर साजिश करने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, इस्राइल ने इन धमाकों को लेकर कोई दावा नहीं किया है, लेकिन रिपोर्टें बता रही हैं कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान पेजर से छेड़छाड़ करके उन्हें धमाकों के मकसद से ज्वलनशील बनाया गया है। जो एक बड़े सुनियोजित ऑपरेशन की ओर संकेत करता है। जिसमें दूर से सुनियोजित तरीके से विस्फोटों को अंजाम दिया गया। इस्राइल ने इन धमाकों के जरिये हिजबुल्लाह को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भले ही वह गाजा संघर्ष में उलझा हुआ है, इसके बावजूद वह दूसरे मोर्चे पर हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाने की क्षमता रखता है। बहरहाल, यह घटना बताती है कि इस्राइल पर बीते साल हमास द्वारा किए गए हमले व अपहरण की वारदातों के बाद शुरू हुए टकराव का विस्तार होने की आशंका बलवती हुई है। इस्राइल इस समय न केवल हमास बल्कि हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों के हमलों का एकसाथ जवाब दे रहा है। लेकिन इस्राइल की सीमा से लगते लेबनान में ईरान द्वारा दी गई उन्नत मिसाइलों व राकेटों के लगातार हो रहे हमलों के बीच इस टकराव के विस्तार लेने की आशंका बढ़ गई है। अब पेजर धमाकों के बाद हिजबुल्लाह इस्राइल से बदला लेने की बात कर रहा है, जिससे इस संघर्ष के व्यापक रूप लेने के आसार बढ़ गये। पश्चिम एशिया में पहले से ही नाजुक स्थिति जो गाजा संघर्ष के कारण और जटिल हो गई थी, उसे पेजर प्रकरण ने और गंभीर स्थिति में पहुंचा दिया। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम युद्ध के हथियार के रूप में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है।

महिला अपराध, कानून और समाज

– योगेन्द्र योगी–

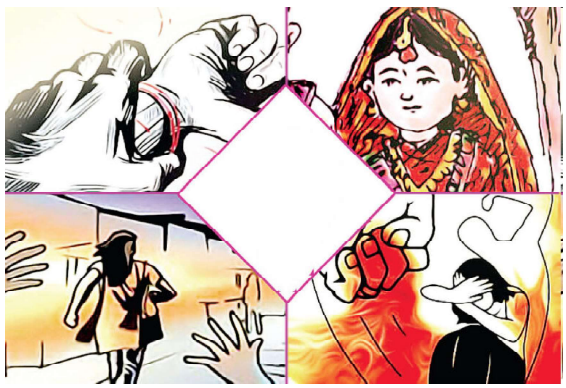

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यवहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीडिघ्ता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए।

अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024श शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ–साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीडिघ्ता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीडन के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। इस बिल में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। बीते महीने लागू हुए बीएनएस की धारा–64 में बलात्कार के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं बीएनएस की धारा–66 में बलात्कार और हत्या और ऐसे बलात्कार, जिनमें पीडिघ्त निष्क्रिय हो जाती है, उनमें मौत की सजा का प्रावधान है। इसमें 20 साल की जेल की या उम्र कैद की सजा का भी प्रावधान किया गया है।

गौरतलब है कि निर्भया कांड के बाद कानून को बहुत सख्त कर दिया गया था। रेप की परिभाषा भी बदल दी थी, ताकि महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी लाई जा सके। पहले जबरदस्ती या असहमति से बनाए गए संबंधों को ही रेप के दायरे में लाया जाता था। लेकिन इसके बाद 2013 में कानून में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाया गया। इतना ही नहीं, जुवेनाइल कानून में संशोधन किया गया था। इसके बाद अगर कोई 16 साल और 18 साल से कम उम्र का कोई किशोर जघन्य अपराध करता है तो उसके साथ वयस्क की तरह ही बर्ताव किया जाएगा। हालांकि, इन सबके बावजूद सुधार नहीं हुआ है।

निर्भया कांड (2012) के बाद भारत में कई चर्चित बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक 17 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और हत्या की घटना सामने आई। उत्तर प्रदेश के ही हाथरस जिले में एक 19 वर्षीय दलित लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और अत्यंत बर्बरता की गई। पीडिता की मृत्यु के बाद, उसके शव को परिवार की अनुमति के बिना रात के समय दफनाया गया। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई। पीडिघ्ता की शिकायत के बावजूद, पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। हैदराबाद में एक महिला वेटरनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। अपराधियों को पकडने के लिए पुलिस ने कार्रवाई की, और बाद में आरोपी एनकाउंटर में मारे गए, जिसने विवाद और बहस को जन्म दिया। मणिपुर में एक महिला के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने हाल ही में बहुत ध्यान खींचा। इस मामले ने स्थानीय हिंसा और सामाजिक अस्थिरता को भी उजागर किया। साल 2013 में केंद्र सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए निर्भया फंड बनाया, जिसका मकसद राज्यों को महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता करना था। मगर, इसका अभी पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। निर्भया फंड की 9 हजार करोड़ रुपये की धनराशि का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा भी सही से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। निर्भया फंड बनने से लेकर 2021–22 तक, कोष के तहत कुल आवंटन 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है, जिसमें से 4,200 करोड़ रुपये का ही अब तक इस्तेमाल हो पाया है।

गौरतलब है कि भारत में हर घंटे 3 महिलाएं रेप का शिकार होती हैं, यानी हर 20 मिनट में बलात्कार की एक घटना। देश में रेप के मामलों में 96 प्रतिशत से ज्यादा आरोपी महिला को जानने वाले होते हैं। रेप के मामलों में 100 में से 27 आरोपियों को ही सजा होती है, बाकी बरी हो जाते हैं। ये तीन आंकड़े बताते हैं कि सख्त कानून होने के बावजूद हमारे देश में रेप के मामलों में न तो कमी आ रही है और न ही सजा की दर यानी कन्विक्शन रेट बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की एजेंसी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि भारत में सालभर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के चार लाख से ज्यादा अपराध दर्ज किए जाते हैं। इन अपराधों में सिर्फ रेप ही नहीं, बल्कि छेड़छाड़, दहेज हत्या, किडनैपिंग, ट्रैफिकिंग, एसिड अटैक जैसे अपराध भी शामिल हैं।

आंकड़े बताते हैं कि 2012 से पहले हर साल रेप के औसतन 25 हजार मामले दर्ज किए जाते थे। लेकिन इसके बाद ये आंकड़ा 30 हजार के ऊपर पहुंच गया। 2013 में ही 33 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए थे। 2016 में तो आंकड़ा 39 हजार के करीब पहुंच गया था। साल 2022 में औसतन हर दिन करीब रेप के 87 मामले दर्ज किए गए। इसी साल 248 रेप या गैंगरेप के साथ हत्या। 31,516 रेप, 3,288 रेप के प्रयास और 83,344 मामले महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए हमले के दर्ज किए गए। इन आकंड़ों से जाहिर है कि निर्भया कांड के बाद भी देश में महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों की तस्वीर नहीं बदली है। दरअसल नेताओं और सरकारों के इरादों में कमी है। देश में महिलाओं की सामूहिक तरक्की, पर्याप्त शिक्षा, बुनियादी सुविधाएं, रोजगार और अन्य सुविधाओं में इजाफा नहीं होगा तब तक निर्भया जैसी घटनाओं पर सिवाए चीख–पुकार मचाने से कुछ नहीं होगा। यह सब करना सरकारों के लिए आसान नहीं है। इसलिए जब भी कोई वारदात होती है तब कानून में कुछ और धाराएं जोड़ कर सरकारें अपनी दायित्व की इतिश्री कर लेती हैं।

बुलडोजर न्याय और राजनीति

–रोहित कौशिक–

> सवाल यह है कि जब व्यक्ति को किसी अपराध का आरोपी घोषित किया जाता है, तभी उसके अवैध निर्माण का पता क्यों चलता है। सवाल यह भी है कि सत्ता पक्ष के कितने लोगों पर बुलडोजर चलाया गया है? जब एक राजनीति के तहत बुलडोजर चलाया जाएगा तो उस पर सवाल उठेंगे ही। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह वायदा किया था कि उत्तर प्रदेश में भू–माफियाओं को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बुलडोजर न्याय इसलिए भी असंवैधानिक है क्योंकि जब घर को ध्वस्त किया जाता है तो उससे परिवार के वे लोग भी प्रभावित होते हैं, जिनकी कोई गलती नहीं होती है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों में अभियुक्त की संपत्ति को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने आदेश दिया कि सुनवाई की अगली तारीख 1 अक्तूबर तक कोर्ट की अनुमति के बिना कोई तोडफोड़ नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश सड़कों, फुटपाथों, रेलवे लाइनों व जलाशयों के अतिक्रमण पर लागू नहीं होगा। शीर्ष न्यायालय ने अवैधा तरीके से की कई ऐसी कार्रवाई को संविधान के मूल्यों के विरुद्ध माना है। पिछले दिनों बुलडोजर के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के बीच हुई बहस में योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि बुलडोजर वही व्यक्ति चला सकता है, जिसमें बुलडोजर चलाने की क्षमता हो।

बुलडोजर चलाने के लिए दिल, दिमाग और हिम्मत की जरूरत होती है। दंगाइयों के सामने नाक रगडने वाले क्या बुलडोजर चलाएंगे? समाजवादी पार्टी के कार्यकर्त्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा था कि भाजपा सरकार में निर्दोष लोगों पर अत्याचार हो रहे हैं। किसान परेशान हैं और नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही पूरे प्रदेश का बुलडोजर गोरखपुर की ओर मुड़ जाएगा। कुछ समय पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल उठाया था कि क्या किसी का मकान सिर्फ इसलिए गिराया जा सकता है कि वह एक आरोपी है? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह किसी भी अनधिकृत निर्माण या सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण को संरक्षण नहीं देगा। कुछ वर्षों से बुलडोजर को अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरैंस पॉलिसी के तहत प्रतीक के तौर पर प्रस्तुत किए जाने का प्रचलन बढ़ रहा था।

सरकारों के इस व्यवहार पर कई तरह के सवाल उठ रहे थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलवाना शुरू किया था। इस कदम से एक विचारधारा के लोगों में योगी आदित्यनाथ काफी लोकप्रिय हुए और उन्हें बुलडोजर बाबा कहा जाने लगा। योगी आदित्यनाथ की इस कार्रवाई को देखकर ही अन्य राज्यों विशेषतरू मध्यप्रदेश में भी बुलडोजर ने रफ्तार पकड़ी थी। मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने योगी आदित्यनाथ के रास्ते पर चलते हुए अप्रैल 2022 में खरगौन में साम्प्रदायिक झड़पों के बाद बुलडोजर के इस्तेमाल का समर्थन किया था। उनकी सरकार ने 16 घर और 29 ढांचे ध्वस्त कर दिए थे। शिवराज सिंह चौहान को बुलडोजर मामा कहा जाने लगा था। हरियाणा में भी बुलडोजर के माध्यम से तथाकथित न्याय देने की कोशिश की गई थी। हरियाणा के नूंह में विश्व हिन्दू परिषद की यात्रा के दौरान भड़के साम्प्रदायिक दंगों के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर सरकार ने कई घरों को ध्वस्त कर दिया था।

दिल्ली में 16 अप्रैल 2022 को जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती के दौरान साम्प्रदायिक हिसा भड़कने के बाद तत्कालीन भाजपा के नेतृत्व वाले उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने एक मस्जिद के सामने के गेट और दीवार समेत कई संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया था। हाल ही में 22 अगस्त को मध्यप्रदेश के छतरपुर में कांग्रेस नेता हाजी शहजाद अली के घर को बुलडोजर के माध्यम से ध्वस्त कर दिया गया था और उनकी गाडियों को भी तहस–नहस कर दिया गया था। उन पर छतरपुर शहर कोतवाली घेरकर प्रदर्शन करने और पुलिस पर पत्थरबाजी का आरोप लगा था। इस संबध में जमीयत–उलेमा–ए हिन्द ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। जमीयत–उलेमा–ए–हिन्द ने अपनी याचिका में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बुलडोजर न्याय का विरोध करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाने का विरोध किया था। इसके अतिरिक्त भी सुप्रीम कोर्ट में बुलडोजर न्याय के खिलाफ अनेक याचिकाएं दायर की गई थीं।

काफी लोग अपराधियों के खात्मे के लिए बुलडोजर न्याय को सही ठहराते हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब बुलडोजर से ही न्याय देना है तो देश में न्यायालय का क्या काम है? संविधान विशेषज्ञों का भी मानना है कि बुलडोजर न्याय संविधान सम्मत नहीं है। आरोपियों को फटाफट दोषी घोषित कर देना और न्यायालय को नकारकर स्वयं ही बुलडोजर चलवाना भला संविधान सम्मत कैसे हो सकता है? कटु सत्य तो यह है कि अधिकांश मामलों में बुलडोजर एक ही धर्म के लोगों के खिलाफ चलाया गया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य में किसी का भी घर बिना कानूनी प्रक्रिया के नहीं तोड़ा जा रहा है।

सवाल यह है कि जब व्यक्ति को किसी अपराध का आरोपी घोषित किया जाता है, तभी उसके अवैध निर्माण का पता क्यों चलता है। सवाल यह भी है कि सत्ता पक्ष के कितने लोगों पर बुलडोजर चलाया गया है? जब एक राजनीति के तहत बुलडोजर चलाया जाएगा तो उस पर सवाल उठेंगे ही। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह वायदा किया था कि उत्तर प्रदेश में भू–माफियाओं को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बुलडोजर न्याय इसलिए भी असंवैधानिक है क्योंकि जब घर को ध्वस्त किया जाता है तो उससे परिवार के वे लोग भी प्रभावित होते हैं, जिनकी कोई गलती नहीं होती है।

जनगणना में देरी क्यों ..?

–विपिन पब्बी–

राष्ट्रीय जनगणना में हो रही अनावश्यक देरी पर लंबी चुप्पी के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि जनगणना की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। उन्होंने न तो देरी के बारे में बताने की जहमत उठाई है और न ही कोई निश्चित समय–सीमा बताई है जिसके दौरान यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। विशेष रूप से, जुलाई में पेश किए गए बजट में जनगणना कराने के लिए बहुत कम प्रावधान था। 2024–25 के बजट में जनगणना और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एन.पी.आर) की तैयारी के लिए 1,309 करोड़ रुपए का मामूली परिव्यय प्रदान किया गया, जबकि 2019 में कैबिनेट द्वारा प्रस्तावित 2021 की जनगणना के लिए 12,700 करोड़ रुपए के व्यय को मंजूरी दी गई थी। इस बार कम प्रावधान के कारण 2020 में कोविड महामारी के बाद से रुकी हुई इस प्रक्रिया के फिर से शुरू होने की संभावना बहुत कम रह गई है। वास्तविक गणना शुरू होने से पहले बहुत सारे काम किए जाने की जरूरत है, लेकिन इस दिशा में कोई प्रयास किए जाने के संकेत नहीं हैं। नवीनतम आंकड़े उपलब्ध न होने के कारण, सभी सरकारी नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं 14 साल पुराने आंकड़ों पर आधारित हैं।

आंकड़ों की अनुपलब्धता ने कई मिथकों को जन्म दिया है और विभिन्न समुदायों की जनसंख्या और विकास दर के बारे में विकृत कथा को जन्म दिया है, जो एक विशेष पार्टी के हित में है। 2021 में दशकीय जनगणना के स्थगन के बाद से, सरकार बिना कोई वैध कारण बताए जनगणना को स्थगित कर रही है, जबकि महामारी बहुत पहले खत्म हो चुकी है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि 1881 में शुरू की गई इस प्रथा के बाद से हर 10 साल में बिना किसी रूकावट या देरी के जनगणना की जाती रही है। स्वतंत्रता के बाद पहली जनगणना भी 1951 में तय कार्यक्रम के अनुसार की गई थी।

किसी देश के विकास, नियोजन और नीति–निर्माण के लिए जनगणना बहुत महत्वपूर्ण है। यह जनसंख्या की सटीक गणना प्रदान करती है, जिससे सरकारों को जनसांख्यिकीय रूझान, आयु वितरण और जनसंख्या वृद्धि को समझने में मदद मिलती है। बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सामाजिक सेवाओं के लिए धन जैसे संसाधनों का आबंटन जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर करता है। जनगणना के आंकड़े आर्थिक विकास के क्षेत्रों की पहचान करने, व्यावसायिक निवेश निर्णय तैयार करने और श्रम बाजार की गतिशीलता को समझने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह गरीबी और अभाव वाले क्षेत्रों की पहचान करने, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता जैसी बुनियादी सेवाओं तक पहुंच जैसी सामाजिक कल्याण गतिविधियों को डिजाइन करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, अगर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की कवरेज को संशोधित करने के लिए अद्यतन जनगणना के आंकड़े उपलब्ध होते, तो सबसिडी वाले खाद्य राशन के लाभाध्थयों की संख्या में 100 मिलियन से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है।

आवास और शहरी विकास, बिजली और पानी जैसी उपयोगिता सेवाओं और परिवहन प्रणालियों को विकसित करने के लिए डाटा मार्गदर्शन करता है। इस प्रकार यह सूचित निर्णय लेने में मदद करता है। जनगणना में देरी और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सीमांकन में बार–बार स्थगन के कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र 1971 में लिए गए 50 साल से अधिक पुराने आंकड़ों पर आधारित हैं। एक राय यह है कि सत्तारूढ़ पार्टी जानबूझकर जनगणना में देरी कर रही है क्योंकि वह 2029 के लोकसभा चुनावों की प्रत्याशा में 'परिसीमन' अभ्यास को तेज करना चाहती है। संविधान के 84वें संशोधन में कहा गया है कि अगला परिसीमन अभ्यास 2026 के बाद पहली जनगणना पर आधारित होना चाहिए।

देवीपाटन मंडल में 8884 राशन कार्ड निरस्त

संवाददाता—गोण्डा। बीते कई वर्षों से गरीबों को मिलने वाला राशन अपात्र डकार रहे थे। शासन स्तर पर फैमिली आईडी और आधार कार्ड सत्यापन तथा परिवहन विभाग के डाटा को आपस में मिलान करने के बाद यह खुलासा हुआ। इसके बाद पूर्ति विभाग ने सत्यापन कराया। राशन कार्डों के सत्यापन के बाद देवीपाटन मंडल के चारों जिलों में 8,884 राशन कार्ड निरस्त कर दिए गए है। गोंडा जिले में कुल राशन कार्ड की संख्या 6,00,237, बहराइच—6,90,693 तथा श्रावस्ती—2,07,601 बलरामपुर—3,53,812, इतने कार्ड धारक हैं। समस्त आयकर दाता तथा ऐसे परिवार जिसके किसी भी सदस्य के स्वामित्य में 4 पहिया वाहन अथवा ट्रैक्टर अथवा हारवेस्टर, वातानुकूलित यन्त्र (एयर कंडिशनर) अथवा 6 केवीए या उससे अधिक की क्षमता का जेनरेटर हो।ऐसे परिवार जिसके किसी भी सदस्य के पास अकेले या अन्य सदस्य के स्वामित्व में 5 एकड़ से अधिक सिंचित भूमि हो, किन्तु बुन्देलखण्ड एवं सोनभद्र जनपद में कैमूर पर्वतमाला के दक्षिणी क्षेत्रों में यह सीमा 7.5 एकड़ होगी। समस्त आयकर दाता इसके अलावा ऐसे परिवार जिसके किसी भी सदस्य के स्वामित्व में 4 पहिया वाहन अथवा वातानुकूलित यन्त्र (एयर कंडिशनर) अथवा 5 केवीए या उससे अधिक की क्षमता का जनरेटर हो। ऐसा परिवार जिसके किसी सदस्य के स्वामित्व में अकेले या अन्य सदस्य के साथ 100 वर्ग मी के अधिक का स्वअर्जित आवासीय प्लाट या उस पर स्वनिर्मित मकान अथवा 100 मी० से अधिक कार्पेट एरिया का आवासीय फ्लैट हो। ऐसा परिवार जिनके किसी भी सदस्य के स्वामित्व में अकेले या अन्य सदस्य के साथ 80 वर्ग मीटर या उससे अधिक कार्पेट एरिया का व्यावसायिक स्थान हो। ऐसे परिवार जिनके सदस्यों के पास एक से अधिक शस्त्र का लाईसेंस हो। परिवार की कुल वार्षिक आय समस्त सदस्यों की 3 लाख प्रति वर्ष से अधिक हो।

गोंडा के जिला पूर्ति अधिकारी कृष्ण गोपाल पांडे ने बताया शासन से सूची मिली है। उसी के आधार पर सत्यापन कराया जा रहा है। सत्यापन में अपात्र पाए जाने पर कार्ड निरस्त किए जा रहे हैं। कार्डों का सत्यापन आगे चलता रहेगा। इसलिए अभी एकदम करेक्ट संख्या बता पाना संभव नहीं है।

स्प्रे मारकर लूट की घटना निकली फर्जी

संवाददाता—देवरिया। स्प्रे मारकर रुपए लूटने की घटना पुलिस की जांच में फर्जी निकली। महिला ने बैंक से 16 हजार रुपए निकाले और उधारी में ही साढ़े 14 हजार रुपए चुका दिए। उसने बैंक से रूपये निकालकर घर जाने के दौरान बाइक सवार उचक्कों पर स्प्रे मार रुपया लूटने का आरोप लगाया था।

रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के शामपुर गांव की एक महिला मीरछापर चौराहा स्थित सेंट्रल बैंक की शाखा पर बुधवार की दोपहर रूपये निकालने पहुंची। पुलिसिया छानबीन के मुताबिक उसने बैंक से 16 हजार रूपये निकाले। उसने तीन लोगों को मिलाकर 14500 उधारी चुका दिए। वह डेढ़ हजार रुपए लेकर पैदल घर चल दी। रास्ते में वह डेढ़ हजार रुपए भी कहीं गिर गए। घर पर डांट फटकार न सुनने को मिले, उसने 16 हजार रुपए लूटने की मनगढ़ंत कहानी रच दिया। लूट की जानकारी मिलते ही रामपुर कारखाना पुलिस हरकत में आ गई उसने टीम बनाकर मामले की तह तक जाने की कोशिश की रात में ही पुलिस ने पूरी घटना को क्लियर कर लिया। थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद ने कहा कि महिला के डेढ़ हजार रुपए कहीं गिर गए थे। उसने बैंक से 16000 ही निकले थे। अपने बचाव के लिए उसने लूट की कहानी गढ़ दिया।

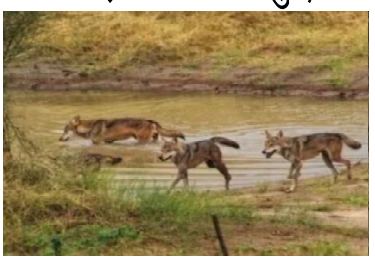

दिखा भेड़ियों का नया झुंड, आदमखोर लंगड़ा को भी देखने का दावा, लोग सहमे

संवाददाता—बहराइच। आखिरी आदमखोर भेड़िये की तलाश के बीच महसी तहसील के मैगला गांव में एक फार्म हाउस के पास चार भेड़ियों का झुंड देखा गया है। स्थानीय लोग भेड़ियों के इस नए झुंड में एक लंगड़ा भेड़िया होने का भी दावा कर रहे हैं, जिसके बारे में माना जा रहा है कि आदमखोर झुंड का वही भेड़िया है जिसकी वन विभाग को तलाश है। हालांकि प्रभागीय वन अधिकारी अजीत प्रताप सिंह का कहना है कि ऐसा नहीं लगता कि इस नये झुंड में आदमखोर भेड़िया शामिल होगा। उन्होंने आशंका जताई कि भेड़ियों का यह झुंड अगर नरभक्षी नहीं है, फिर भी इसे पकड़ने की कवायद हुई तो इसके सदस्य भेड़िये भी बदले की भावना से इंसानों पर हमलावर होकर एक नयी समस्या खड़ी कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान परिषद सदस्य पदमसेन चौधरी के फार्म हाउस पर बुधवार शाम चार भेड़ियों का एक झुंड देखा गया, जिनमें से एक भेड़िया लंगड़ा बताया जा रहा है। जिस स्थान पर भेड़ियों का नया झुंड दिखाई दिया वह भेड़ियों के आतंक को लेकर सर्वाधिक संवेदनशील सिसैया चूरामनि गांव से मात्र पांच किलोमीटर दूरी पर स्थित है।

चौधरी ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार शाम चार बजे ग्रामीणों को चार भेड़ियों का एक झुंड हमारे आम के बगीचे में दिखाई दिया है, इनमें एक भेड़िया लंगड़ा है। ग्रामीणों ने भेड़ियों को घेरना शुरू किया तो वे हमारे मक्के के खेत से होते हुए पड़ोसी के खेत में चले गये। अब संभवतः किसी खेत में ही भेड़िए छिपे हैं। थोड़ी देर बाद अंधेरा होने पर भेड़िए दिखना बंद हो गये थे।श्श

उन्होंने बताया कि इसी स्थान के नजदीक भेड़ियों की एक मांद भी है। बारिश के कारण व नदियों का जलस्तर बढ़ने से अक्सर जंगली जानवर बाहर निकल आते हैं। इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि महसी तहसील के रामगांव थाना क्षेत्र के कुछ गांवों में भेड़िये दिखने की सूचना मिली है। जिस अधिकारी को घटनास्थल पर भेजा गया था उनके अनुसार भेड़ियों के पैरों के निशान जरूर मिले हैं, लेकिन उनकी गतिविधियों से ऐसा नहीं लगता कि इस झुंड में उपद्रवी आदमखोर भेड़िया शामिल होगा। डीएफओ ने कहा कि भेड़ियों का यह झुंड अगर नरभक्षी नहीं है, फिर भी इसे पकड़ने की कवायद हुई तो इसके सदस्य भेड़िए भी पहले वाले झुंड की तरह बदले की भावना से इंसानों पर हमलावर होकर एक नयी समस्या खड़ी कर सकते हैं। तब स्थितियां और भी खराब हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों छह भेड़ियों का एक झुंड आदमखोर हो चुका था जिसके पांच सदस्य पकड़े जा चुके हैं और आखिरी बचे भेड़िये की तलाश की जा रही है। वो भी कुछ आरंभिक गलतियों के कारण ही नरभक्षी हुए होंगे। आमतौर पर भेड़िए नरभक्षी नहीं होते और अब यह शोध का विषय है कि भेड़ियों का वह झुंड किस गलती की वजह से आदमखोर हुआ था।

डीएफओ ने कहा कि फिलहाल हम बुधवार को दिखे भेड़ियों वाले इलाके पर भी पूरी नजर रखकर इसकी जांच करा रहे हैं। जांच के बाद ही निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि ये किस प्रकृति के भेड़िए हैं। गौरतलब है कि बहराइच के महसी तहसील अंतर्गत घाघरा नदी के कछार में स्थित 50 गांवों के हजारों नागरिक भेड़ियों के हमलों से दहशत में हैं। पिछली 17 जुलाई से इन जानवरों के हमले में सात बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 36 लोग भेड़िए अथवा अन्य जानवरों के हमलों से घायल हुए हैं। इन गांवों में दहशत का आलम यह है कि महिलाएं अपने छोटे बच्चों को अपने शरीर के साथ साड़ी से बांधकर सो रही हैं, वहीं पुरुष रात रात भर जागकर पहरा दे रहे हैं। वन विभाग के 165 लोग, 18 शार्प शूटर, सैकड़ों की संख्या में पुलिस व पीएसी जवान, राजस्व तथा अन्य विभागों के कर्मी, ग्रामीणों की टीम दिन रात मुस्तैद रहकर भेड़िए को पकड़ने के अभियान में जुटी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि अगर आखरी आदमखोर भेड़िया पकड़ा ना जा सके और वह हमलावर होता दिखे तो अंतिम विकल्प के तौर पर उसे श्शगोली मार दी जाएश्श। उन्होंने समस्या के समाधान तक अभियान जारी रखने के आदेश दिए थे।

स्वास्थ्य बीमा महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य कल्याण के लिए एक सुरक्षा कवच है

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भारत की पृष्ठभूमि पारिवारिक एवं ग्रामीण क्षेत्र में बस्ती है जिसमें महिलाओं की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है ऐसे में महिलाएं अपने परिवार की जरूरतों और करियर के बीच संतुलन बनाने के लिए एक साथ कई भूमिकाएं अदा करती है। इन सबके बीच उन्हें अपनी सेहत की देखभाल करना भी बेहद जरूरी होता है,इसीलिए तो स्वास्थ्य बीमा उनके समग्र स्वास्थ्य कल्याण के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। स्वास्थ्य बीमा प्लान लेकर आप बिना किसी परेशानी के अपने निजी एवं व्यवसायिक लक्ष्यों को पूरा कर सकती है, साथ ही यह आपको अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक समग्र समाधान प्रदान कर सकता है और चिकित्सा संबंधी खर्चों का बोझ कम कर सकता है।

हेल्थ इंश्योरेंस से उच्च स्तर की देखभाल के साथ बीमा महिलाओं को कॉम्प्रिहेंसिव हॉस्पिटलाइजेशन कवरेज के माध्यम से चिकित्सा संबंधी सुविधाओं का इस्तेमाल करने की सहूलियत देता है. महिलाएं नेटवर्क अस्पतालों से जल्दी एवं आसानी से इलाज का लाभ ले सकती हैं. इसके अतिरिक्त, उनके द्वारा इलाज पर किए गए खर्चों की प्रतिपूर्ति की सुविधा भी उपलब्ध होती है, साथ ही साथ मैटरनिटी कवर द्वारा भविष्य में मां बनने की योजना बना रही हर महिला के लिए आवश्यक और फायदेमंद है। यह योजना गर्भावस्था के दौरान सभी जरूरी खर्चों का भुगतान कर, उनकी चिंता दूर करती है. यह योजना डिलीवरी, अस्पताल में भर्ती होने, प्रसव से पहले और बाद की देखभाल, मेडिकल टेस्ट, दवाओं और नवजात शिशु पर होने वाले खर्चों को कवर करती है।मन की शांति— स्वास्थ्य बीमा होने के अहम फायदों में से एक यह प्लान भी है। यह अप्रत्याशित मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में मन की शांति प्रदान करेगा. बढ़ती महंगाई के कारण मेडिकल खर्चे दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य बीमा होने से आपको अप्रत्याशित खर्चों की चिंता करने की जरूरत नहीं है। गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज— स्वास्थ्य बीमा प्लान गंभीर बीमारियां होने की तकलीफदेह स्थिति में भी आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है. अधिकतर महिलाएं अक्सर हृदय रोग, स्तन कैंसर, हृदय की समस्याओं और खून की कमी सहित विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों से संघर्ष करती रहती है। इन बीमारियों के इलाज का खर्च बहुत ज्यादा हो सकता है। इस कवरेज के साथ महिलाएं ऐसे खर्चों से बेफिक्र होने के साथ खुद को सुरक्षित रख सकती हैं. वे उचित इलाज प्राप्त करने के साथ अपनी सेहत की सुरक्षा कर सकती है।एक्सीडेंटल कवर, स्वास्थ्य बीमा का एक अतिरिक्त लाभ है। जीवन की अनिश्चितताओं को देखते हुए व्यक्तिगत दुर्घटना कवरेज आपकी अनुपस्थिति की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में आपके परिवार को सहारे की गारंटी देता है। यह कवरेज आपके परिवार के लिए अप्रत्याशित चोट, विकलांगता या जानलेवा दुर्घटनाओं से आवश्यक आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है. निजी दुर्घटना बीमा पॉलिसी आपको स्थायी विकलांगता की स्थिति में आय की हानि से जूझने में भी मदद प्रदान कर सकती है. इसमें आप एकमुश्त रकम प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग नियमित आय की जगह किया जा सकता है।सभी महिलाओं को अपनी सेहत का ख्याल रखने, अपने स्वास्थ्य एवं कल्याण पर ध्यान देने और नियमित चेक—अप करवाते रहने का यही सही समय है। स्वास्थ्य बीमा खरीदना एक तरह से अपनी आर्थिक सुरक्षा के लिए निवेश है।यह महिलाओं की सुरक्षा भी करता है और अवांछित स्थितियों में उनके परिवार को सहायता भी प्रदान करता है।

आउट सोर्सिंग विद्युत कर्मचारियों ने एसई कार्यालय पर दिया धरना

संवाददाता—देवरिया। विद्युत संविदा मजदूर संगठन के सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर गुरुवार को एसई कार्यालय पर धरना दिया। आऊट सोर्सिंग कर्मचारी ठेकेदारी द्वारा छटनी का विरोध कर रहे है। कर्मचारियों ने 11 सूत्रीय मांगों को ज्ञापन एसई को सौंपा। कर्मचारियों ने कहा कि मांगों को विभाग द्वारा पूरा नहीं किया गया तो वृहद आंदोलन किया जाएगा।

प्रदेश महामंत्री राजेश्वर सिंह कि जिले के चार डिविजन लगभग चार सौ आउट सोर्सिंग पर कर्मचारी तैनात है। जो उपकेंद्र संचालन से लेकर क्षेत्र में फाल्ट बनाने तक का कार्य करते है। तपती धूप में कर्मचारी लोहे के पोल पर चढ़ कर फाल्ट को ठीक करते है। इसके बाद भी कर्मचारियों को उनके कार्यो से हटाया जा रहा है। असिस्टेन्ट बिलिंग, राजस्व वसूली आदि कार्यों के लक्ष्यों को पूरा न कराने के बहाने से संविदा कर्मियों की छटनी किया जा रहा है। इस पर तत्काल रोक लगाया जाए , नहीं तो सड़क पर आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

जिलाध्यक्ष आनन्द कुमार सिंह ने कहा कि संविदा कर्मियों को अनुबन्धा और श्रम कानूनों के विरुद्ध 14—16 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है । विभाग इस पर रोक लगाए। मार्च में संघर्ष समिति द्वारा की गयी तीन दिवसीय हड़ताल में महासंघ से जुडे संविदा कर्मियों ने भाग नहीं लिया था, किन्तु गलत सूचना के आधार पर उन्हें हटा दिया गया। जिस पर महासंघ से सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था, किन्तु बार बार सूची प्रेषित करने के बाद भी अभी तक कोई कार्यवाई नहीं किया गया।

3 वर्ष से एक उपकेन्द्र पर जमे हुए संविदा कर्मियों का स्थानान्तरण किया गया है। इस पर रोक लगाया जाए। आउटसोर्स द्वारा नियुक्त लाइनमैन तथा एसएसओ एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर को 25 हजार एवं श्रमिक को 22 हजार रुपया वेतन प्रतिमाह दिया जाय। आउटसोर्स कर्मियों की सेवा नियमावली बनायी जाय। प्रत्येक जिले में ईएसआई की सुविधा प्रदान की जाय। विद्युत लाइनों पर काम करने के लिए सुरक्षा उपकरण दिया जाए।

5 वर्ष से अधिक समय से कार्य कर रहे आउटसोर्स के कर्मचारियों को रिक्त नियमित पदों पर समायोजित किया जाय। पद अनुरूप कार्य कराया जाय । अकुलशल से कुशल का काम न लिया जाय तथा विभाग के अधिकारी के हस्ताक्षर से पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाय । बहुआयामी कार्य एवं लम्बे कार्य क्षेत्र को देखते हुए मोबाइल एवं आवागमन खर्च की सुविधा उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान दुर्गेश कुमार, उदय प्रताप, ऋृषिकेश, धर्मेन्दर कुशवाहा,शंभूदयाल तिवारी आदि मौजूद रहे।

तालाब में संदिग्ध परिस्थितियों में मिली महिला की लाश

संवाददाता—श्रावस्ती। एक दिन पहले से घर से गायब मिली महिला की लाश तालाब में मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत राम नगर चरईडीह के मजरा मोतीपुर बड़रहवा गांव निवासी सुशीला (22) पुत्री ठुनठुन का विवाह लगभग एक वर्ष पहले जनपद बलरामपुर के ललिया थाना क्षेत्र ललिया निवासी मंशाराम (26) हीरा लाल के साथ हुआ था। सुशीला करीब दो महीना पहले अपने मायके आयी हुई थी। तबसे वह मायके मे रह रही थी। बुधबार सुबह करीब 8 बजे वह अपने घर से बिना बताये कही चली गई। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटी तब परिजनों ने खोजबीन शुरू की। देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह लक्ष्मनपुर बेचईपुरवा मार्ग स्थित हररैया ईंट भट्ठे के पास तालाब में ग्रामीणों ने एक महिला की लाश देखी। ग्रामीणों ने सूचना पुलिस को दी। इस पर जोखवा पुलिस चौकी प्रभारी वीपेंद्र कुमार यादव अपने टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की मदद से लाश को तालाब से बाहर निकलवाया जिसकी पहचान सुशीला पुत्री ठुन ठुन के रूप में हुई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जोखवा पुलिस चौकी प्रभारी वीपेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

बोर्ड बैठक में विकास प्रस्ताव पास

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। आदर्श नगर पंचायत रुधौली के बोर्ड की बैठक बुद्धवार को हुई। चेयरमैन धीरसेन निषाद की अध्यक्षता में शहीद कीर्तिकर निषाद सभागार में बोर्ड की बैठक में नगर पंचायत के सभी वार्डों में विकास पर चर्चा की गई। बैठक में नौ करोड़ रुपए बजट का प्रस्ताव पारित हुआ।

बोर्ड की बैठक में ईओ कीर्ती सिंह ने बताया कि नगर पंचायत में विवाह घर का निर्माण होगा। सरघाट माता के मंदिर तथा बाबा भिटेश्वर नाथ मन्दिर के जीर्णोद्धार कराया जाएगा। नगर पंचायत में रैन बसेरा एवं ओपेन जिम के साथ सभी वार्डों के मुख्य मार्ग पर गेट बनाया जाएगा।

नगर पंचायत के मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा। सभासद गुलाबा देवी, सुशीला देवी, गुंजन आर्या, सुजीत सोनी, प्रतीक सिंह, विनोद कुमार, अनिल मौर्या, पंकज कुमार शशांक, पंकज सिंह, लक्ष्मण, मोहम्मद इस्माइल आदि उपस्थित रहे।

बेटे को शराब पिलाकर भूमि का बैनामा कराने का आरोप

संवाददाता—गोण्डा। थाना क्षेत्र के मेहनौन गांव की रहने वाली एक महिला ने गांव के ही तीन लोगों पर बेटे को शराब पिलाकर धोखाधड़ी करते हुए उसका एक बीघा भूमि बैनामा कर लेने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। इस पर पुलिस जांच कर रही है। सीओ सदर ने धानेपुर पुलिस को प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। धानेपुर थाना क्षेत्र के मेहनौन गांव की रहने वाली महिला रजकला पत्नी शिवनारायण के मुताबिक उसके गांव के रहने वाले दो सगे भाइयों सहित तीन लोगों ने मिलकर उसके बेटे सुरेश कश्यप को शराब पिलाई। इसके बाद उसकी एक बीघा भूमि धोखाधड़ी करते हुए बैनामा करा लिया है। आरोप लगाया है कि बैनामा के एवज में उसके लड़के को कुछ नहीं दिया गया है।

दंपति को पेड़ में बांधकर पीटने में पूर्व प्रधान समेत पांच भेजे गए जेल

संवाददाता—देवरिया। दंपति को पेड़ में बांध कर पीटने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गुरुवार को कोर्ट में चालान किया। न्यायालय ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में अभी छापेमारी कर रही है। मंदबुद्धि महिला और उसके पति को पीटने वालों की शिनाख्त पुलिस वायरल वीडियो की मदद से कर रही है।

सुरौली थाना क्षेत्र के उसरा बाजार के गुड्डू मद्धेशया की पत्नी संजू देवी की मानसिक हालत ठीक नहीं है। 13 सितंबर की रात वह अपने बगल के गांव परसा जंगल में घूमते हुए चली गई थी और एक घर के बाहर रखे साड़ी को पहन लिया था। किसी ने उसे ऐसा करते देख लिया। गांव का पूर्व प्रधान कमलेश यादव ने उसे मारापीटा और साड़ी उतरवा ली।

अगले दिन पूर्व प्रधान गुड्डू व उसकी पत्नी संजू को बहला फुसला कर अपने गांव परसा ले गया जहां उसे नीम के पेड़ में बांध कर मारने—पीटने के साथ ही लोहे के गर्म राड से दागा गया। किसी ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही मामले ने तूल पकड़ लिया। पुलिस ने पिड़िता के ससुर उमाशंकर की तहरीर पर पूर्व प्रधान कमलेश यादव समेत अन्य पांच लोगों की गिरफ्तारी की।

पकड़े गए आरोपी कमलेश यादव पुत्र बुद्धू, प्रभुनाथ यादव पुत्र रामनरेश, धर्मेंद्र यादव पुत्र रामउग्रह, शेषनाथ यादव पुत्र इंद्रजीत यादव, दुल्लम यादव पुत्र स्व सूरज निवासीगण परसा जंगल थाना सुरौली को गंभीर धाराओं में चालान कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया।

वायरल वीडियो के मामले में परसा जंगल व आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। वीडियो में दिखने वाले संदिग्ध गांव छोड़कर फरार हो गए हैं। पुलिस के खौफ से गांव में कोई मुंह खोलने को तैयार नहीं है। पुलिस ने अपने खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया है। पुलिस संदिग्धों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। वीडियो के आधार पर सभी की पहचान की जा रही है। आरोपी पूर्व प्रधान का बेटा भी पुलिस की रडार पर है। इस घटना को लोगों ने मानवता का शर्मशार करने वाला करार दिया।

संकल्प शर्मा, एसपी ने कहा कि सुरौली थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला और उसके पति को पड़ोसी गांव में ले जाकर पेड़ में बांध कर मारने पीटने का मामला प्रकाश में आया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा पंजीकृत कर पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सभी को गुरुवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मुंडेरवा नगर पंचायत में चला सफाई अभियान

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पंचायत मुंडेरवा में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सफाई अभियान के तहत नगर पंचायत के कर्मचारियों द्वारा ब्लैक स्पॉट वाले चिन्हित जगहों की सफाई का कार्य किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय सिंह ने कहा की नियमित सफाई कर हम बीमारियों और संक्रमण से बच सकते है। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में अभियान चलाकर जनता को जोड़ा जायेगा।

अधिशाषी अधिकारी कीर्ति सिंह ने कहा की सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत नगर पंचायत में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। लोगों को साफ सफाई के लिए नगर पंचायत का सहयोग करने की अपील की जा रही है।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय सिंह, अधिशासी अधिकारी कीर्ति सिंह, शिवम भट्ट, बजरंगी चौधरी, सुनील चौधरी, अभिषेक शुक्ला, अंकित श्रीवास्तव, प्रदीप तिवारी आदि मौजूद रहे।

नीम के पेड़ से फांसी लगा कर किसान ने दी जान

संवाददाता—देवरिया। नीम के पेड़ में गमछा के सहारे फांसी लगा कर एक किसान ने जान दे दी। ग्रामीणों ने पेड़ की डाली से शव लटकता देख पुलिस को इसकी सूचना दी।

गौरीबाजार के छेरिहा निवासी अमला सिंह (55) पुत्र नारायण सिंह किसान थे। घरेलू कलह की वजह से कई दिनों से परेशान थे। बताया जाता है कि दो—तीन दिनों से घर भी नही आ रहे थे। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर नीम के पेड़ से शव लटकता देखा। गांव में खबर लगते ही घर वाले मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की।

किसान गमछा के सहारे पेड़ की डाली से लटकर जान दे दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने में जुटी हुई थी। अमला सिंह के तीन पुत्रों में प्रिंस, प्रीतम व सौरभ व एक बड़ी पुत्री है। किसान के मौत से घर में कोहराम मच गया।

पुलिस कस्टडी में हियुवा के पूर्व जिला मंत्री की बिगड़ी तबीयत

संवाददाता—देवरिया। कस्बा के पिपरा वार्ड निवासी हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व जिला मंत्री अरुण कुमार सिंह और उनके बेटे रिपुदमन सिंह को गुरुवार की सुबह कोर्ट के वारंट पर लार पुलिस ने उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर थाने पहुंची। जहां कुछ घंटों बाद अरुण सिंह की तबीयत बिगड़ गई। पुलिसकर्मी उन्हें लेकर सीएचसी लार पहुंचे जहां से प्राथमिक उपचार के बाद देवरिया मेडिकल कॉलेज और फिर बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनका ब्लड प्रेशर काफी बढ़ गया था। हियुवा के पूर्व जिला मंत्री अरुण सिंह गुड्डू व उनके पुत्र रिपुदमन सिंह के विरुद्ध पश्चिम बंगाल के कोलकाता में टीवीएस क्रेडिट सर्विस लिमिटेड ने लगभग दो लाख रुपये के गबन का आरोप लगा केस दर्ज कराया था। न्यायालय जूडिसियल मजिस्ट्रेट 10 टीएच कोर्ट कोलकाता से सम्बन्धित वारंट नं0 11 के तहत उनकी गिरफ्तारी का आदेश था। पुलिस ने बाप—बेटे को पिपरा चौराहा स्थित उनके आवास से गुरुवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उन्हें कोलकाता भेजने की तैयारी कर रही थी। इसी बीच उनकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिसकर्मी उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लार पहुंचे। यहां झटका और बीपी कंट्रोल नहीं होने पर पहले देवरिया मेडिकल कॉलेज और फिर बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया।

रामनगरी में क्षत्रिय महासंघ की दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का हुआ समापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। क्षत्रिय महासंघ भारत का तृतीय बहुउद्देशीय राष्ट्रीय अधिवेशन 14 व 15 सितंबर को उत्तर प्रदेश में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की जन्म स्थली राम जी की पावन नगरी अयोध्याधाम के वासुदेव घाट हनुमान गुफा के निकट श्री राम मन्त्रार्थ मंडपम में संपन्न हुई कार्यक्रम का शभारंभ दीप प्रज्वलितकर, भगवान राम , माँ भारती की आराधना एवं क्षत्रिय वंश के पूर्वजों को पुष्पणजलि करने के साथ हुआ। दो दिन के चार सत्रों में गहन विचार विमर्श के साथ क्षत्रिय समाज के विभिन्न उत्थोनोपरक कार्यक्रम पर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गयी तथा विगत एक वर्ष में किये गये कार्यो की समिक्षा की गयी। इस अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों से पदाधिकारी, 15 राज्यों से प्रदेश अध्यक्ष , मण्डल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष एवं विभिन्न राज्यों से लगभग दो दर्जन मातृ शक्ति ने सहभागिता करते हुये क्षत्रिय संगठन को संगठित करने पर भी चर्चा हुई। अधिवेशन का संचालन आजमगढ़ के डा राजेश

कुमार सिंह ने की, अध्यक्षता दिल्ली से आये वरिष्ठतम सदस्य कृपाल सिंह चौहान ने की। इस अवसर पर क्षत्रिय महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन सुरेश सिंह परमार ने संगठन के गठन से लेकर अब तक की पूर्ण जानकारी दी, महा संघ के मार्गदर्शक ब्रज भूषण सिंह सेंगर ने संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तृत प्रकाश डाला, महा संघ के संगठन सचिव बलराम धाहरे ने संगठन से सम्बंधित उद्बोधन किया। क्षत्रिय महासंघ भारत की राष्ट्रीय महिला मोर्चा की संचालक गायत्री सिंह ने महिला सशक्तीकरण एवं परिवार में शिक्षा व संस्कार पर विस्तृत चर्चा की। अयोध्या अधिवेशन आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं उत्तराखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह बैस ने संगठन में राष्ट्रीय स्तर से लेकर ग्राम,शहर स्तर तक संगठन सक्रिय सहभागिता के साथ कार्यकारणी के गठन व जिम्मेदारी से कर्तव्य निर्वाहन पर चर्चा की। उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष शेर बहादुर सिंह ने क्षत्रिय वंश में व्याप्त कुरीतियों व बढती नशा प्रवृति पर सुधार पर बल दिया अयोध्या जिला कार्यकारणी के संरक्षक चन्द्रबली सिंह ने भी क्षत्रिय वंश को एकजुट करने व उनकी शिक्षा पर अपने विचार रखे। अयोध्या जिला अध्यक्ष प्रवीण सिंह बैस ने क्षत्रिय समाज में एक दूसरे पर विश्वास के साथ मिल कर आगे बढ़ने पर जोर दिया। अधिवेशन को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेघराज सिंह चौहान , अयोध्या नगर के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, सहकारी बैंक के सभापति धर्मेंद्र प्रताप सिंह, आलोक सिंह रोहित प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष अयोध्या ने भी सम्बोधित किया।महापौर ने कहा कि आज यदि सनातन धर्म व हिन्दू संस्कृति देश मे बची है तो क्षत्रिय वंश के कारण ही बची है क्षत्रियों ने बलिदान किये हैं देश रक्षा के लिये।

अच्छा नया समाज बनाना है, शाकाहार अपनाना है

संवाददाता—श्रावस्ती। बाबा पंकज ने चौथे दिन मल्हीपुर में लाल बहादुर शास्त्री इंटर कालेज में प्रवचन किया। उन्होंने भक्तों को शाकाहार अपनाने और नियमित नाम जप करने की सलाह दी। बाबा ने कहा कि अच्छा नया समाज बनाना है तो शाकाहार अपनाना है। तन—मन करता कौन खराब अण्डा, मछली, मांस, शराब, उन्होंने कहा कि यदि आप ईश्वर की भक्ति करना चाहते हैं तो सबसे पहले मानवतावादी बनना होगा। मानव धर्म को अपनाना होगा। आपको घर—बार नहीं छोड़ना, बाल—बच्चों को नहीं छोड़ना। खेती दुकान व दफ्तर में ईमानदारी व मेहनत से काम करने के बाद 24 घण्टे में से एक घण्टा दो घण्टा समय निकाल कर भगवान का भजन अवश्य करें। जिसमें प्रभु की प्राप्ति किये हुए सन्त, सतगुरु की तलाश करके उनसे कलयुग की सरल साधना (नाम योग मार्ग) का रास्ता लेकर आत्म जागृति कर लें। मनुष्य तन पाने का यही परम अर्थ है। उन्होंने कहा कि राम चरित्र मानस भी कहती है कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिरि—सुमिरि नर उतरहिं पारा। महाराज ने साधना के लिये सुमिरन, ध्यान, भजन की युक्ति भी बताया और कहा कि वर्तमान में नामदान को और सरल किया गया है जिससे पढ़े—लिखे या अनपढ़, बूढ़े—बुजुर्ग सब लोग कर सकें। पंकज बाबा ने समाज के शुभ चिन्तकों, बुद्धिजीवियों तथा युवाजन के माता—पिता से अनुरोध किया कि आप लोग अपने—अपने बच्चों को अशुद्ध खान—पान से बचायें और किसी भी प्रकार के शराब आदि नशीले पदार्थो से दूर रहना सिखाये। इससे आंखों में मां—बहन, बेटी का सम्मान कायम रहेगा।

उन्होंने आगामी 8 से 12 दिसम्बर तक जयगुरुदेव आश्रम मथुरा में आयोजित होने वाले पूज्यपाद स्वामी घूरेलाल जी महाराज के वार्षिक भण्डारे में आने का निमन्त्रण दिया। इस अवसर पर जिलेदार पासवान, जगत पाल यादव, राम विलास यादव, प्रेम नारायण यादव, कन्हैया सिंह, नन्द कुमार गुप्ता, सुधीर सिंह, सत्य नारायण यादव, गौरी सोनी, अजय कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने अयोध्या को दी 1004 करोड़ की सौगातें, बोले–सपा दुनिया की सबसे बड़ी माफिया पार्टी

संवाददाता–अयोध्या। सीएम योगी ने अयोध्या को 1004 करोड़ की सौगातें दीं। मिल्कीपुर के विद्या मंदिर इंटर कालेज में 83 करोड़ की 37 योजनाओं का लोकार्पण किया है। योगी ने 921 करोड़ की 46 योजनाओं का बटन दबाकर शिलान्यास भी किया। इस दौरान योगी ने कहा कि सपा दुनिया की सबसे बड़ी माफिया पार्टी है और संतों को माफिया कह रहे हैं। ये माफियाओं के सामने नाक रगड़ते थे। उन्होंने कहा कि जब माफियाओं के चंगुल से जमीन छुड़ाई जाएगी तो सरगना को दर्द होगा ही।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में कोई जमीन घोटाला नहीं हुआ। यहां 1700 करोड़ रुपया जमीन का मुआवजा दिया गया। यूपी में 64 हजार हेक्टेयर जमीन मुक्त कराई गई। आज यूपी में 15 करोड़ को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। पहले सपा के माफिया खा जाते थे। योगी ने अखिलेश यादव हमला बोलते हुए कहा कि पहले बबुआ बारह बजे तक सोता था। योगी ने उसके गुर्गे प्रदेश लूटते थे। गरीब का राशन समाजवादी पार्टी के गुंडे हजम कर जाते थे। किसी गरीब को राशन नहीं मिलता था। जो जितना बड़ा गुंडा था समाजवादी पार्टी में उसका स्वागत था। सीएम योगी ने कहा कि दिवाली पर फिर भरा सिलेंडर उज्ज्वला योजना में मिलेगा। उन्होंने कहा कि बहन और भाइयों अच्छी सरकार होती है तो विकास लेकर आती है। सुरक्षा लेकर के आती है। युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाओं को आगे बढ़ती है। बिना भेदभाव के विकास के कार्यों को और गांव गरीब के घर तक पहुंचाने का कार्य करती है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं को बिना भेदभाव के हर गरीब का घर पहुंचती है।

युवती की शादी कहीं और तय हुई तो कार से कुचलकर मार डाला

संवाददाता–गोरखपुर। एकतरफा प्रेम में पागल युवक ने युवती की शादी कहीं और तय होने पर उसे सरेआम कार से कुचलकर मारडाला। सिरफिरे ने यह तय कर लिया था कि अगर वह (युवती)उसकी नहीं हो सकती है तो वह (युवक) उसे किसी और की भी नहीं होने देगा। गुरुवार को पुलिस ने आरोपित युवक कुशीनगर के सुकरौली निवासी प्रिंस यादव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। घटना का खुलासा करते हुए एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर और एसपी नार्थ जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कुशीनगर जिले के सुकरौली थाना क्षेत्र के गणेशपुर निवासी विरेन्द्र यादव के पुत्र प्रिंस की गीडा इलाके के बरहुआ में गोपाल यादव के यहां ननिहाल है। अपने मामा के यहां आते–जाते प्रिंस का गांव की युवती से परिचय हो गया और दोनों बातचीत करने लगे। करीब चार साल से यह सिलसिला चल रहा था। प्रिंस यादव ने इस बातचीत को प्रेम समझ लिया और शादी का दबाव बनाने लगा। जबकि लड़की के घरवाले इसके लिए तैयार नहीं थे।

युवती ने भी उससे दूरी बना ली। मई 2024 से उनके बीच एकदम बातचीत बंद हो गई थी। इस बीच युवती की शादी तय हो गई। नवम्बर में तिलक चढ़ाने की तैयारी थी। जब प्रिंस को इसकी जानकारी हुई तब वह शादी तोड़कर उससे शादी करने का दबाव बनाने लगा। जब इसमें वह सफल नहीं हुआ तब उसने युवती की हत्या का प्लान बना लिया। बुधवार की सुबह वह कार से युवती के गांव पहुंचा उसने गांव का एक चक्कर लगाया। युवती कालेज जाने के लिए निकल रही थी। यह देख कर वह सीधे मुख्य रोड पर आ गया। 10.45 बजे युवती जैसे ही गोरखपुर–लखनऊ हाईवे पहुंची उसी दौरान तेज रफ्तार कार से उसने युवती से रौंद दिया। हत्या के बाद वह कार लेकर भागना चाहता था लेकिन अभी उसे ठीक से गाड़ी नहीं चलाने आती थी इसलिए कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और उसकी पहचान सामने आ गई जिसके बाद दुर्घटना की जगह हत्या का आरोप परिवारीजन लगाने लगे। गुरुवार की सुबह युवती के भाई की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने बताया कि युवती को युवक काफी दिन से परेशान कर रहा था लेकिन युवती या उसके घरवालों ने इस संबंध में कभी पुलिस में शिकायत नहीं की। लोक–लाज बस वह इस घटना को छिपाए थे। उन्होंने कहा कि आरोपित के खिलाफ जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल कर उसे सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

प्रिंस यादव बीए तृतीय वर्ष का छात्र है वह किसान पीजी कालेज हाटा में पढ़ता है। अपने मामा के यहां आते–जाते युवती से उसका सम्पर्क हुआ। युवती खुद बीए की पढ़ाई कर रही थी। पुलिस के मुताबिक चार से वह युवती के सम्पर्क में था। मई में जब युवती से फोन पर बातचीत भी बंद हो गई उसके बाद से उसने सम्पर्क करने का काफी प्रयास किया। हाल में उसने हत्या की योजना बनाई तो गांव के राजीव प्रजापति से पांच सौ रुपये रोजाना के हिसाब से उनकी कार किराये पर ली। दस दिन से प्रिंस के पास कार था। प्रिंस को ठीक से कार चलाने नहीं आती थी लिहाजा शुरू में उसने दुर्घटना किया था। कार कुछ डमैज हो गई थी, तीन दिन तक वह गैराज में ही खड़ी थी। जब बनकर आ गई तब उसने खुद कार को ठीक से चलाने के लिए सीखा और मंगलवार की रात में वह कार से ही अयोध्या गया था। बुधवार की सुबह नौ बजे अयोध्या से आया था। प्रिंस के पास डीएल है या नहीं पुलिस इसकी भी पड़ताल कर रही है।

नवंबर माह में युवती का तिलक कार्यक्रम होना था। उसके एक साल बाद यानी वर्ष 2025 में नंवबर माह में उसकी शादी होनी थी। तिलक से जुड़ी सारी खरीदारी करनी परिवारीजनों ने शुरू कर दी थी। युवती के दो भाई और एक बहन हैं। घटना के बाद से ही परिवार में मातम है।

भाई ने बताया कि तीन माह से प्रिंस उसके बहन को परेशान कर रहा था। मां ने उसे एक बार फटकार भी लगाई थी। उसका ननिहाल गांव में ही था, इसी बहाने वह बार–बार गांव में आता–जाता था। बहन ने अपनी सारी बात मां से बताई थी, लेकिन डरकर उसने मुझसे ये बात नहीं बताई। मां को लगा कि डांटने के बाद उसे समझ आ जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह इसके बाद भी परेशान करता रहा। भाई ने बताया कि बहन के पास बार–बार प्रिंस फोन करता था, बहन ने परेशान होकर उसका नंबर ब्लॉक कर दिया था। इसके बाद वो रास्ते में परेशान करने लगा। जब उसे बहन की शादी तय होने की बात पता चली तो वह बहन पर दबाव बनाने लगा। वह चाहता था कि बहन उससे शादी करे। बहन ने इन्कार कर दिया तो उसने इस तरह घटना को अंजाम दिया।

आरोपित के खिलाफ जल्द से जल्द चार्जशीट लगाने के लिए अफसरों ने सीसी टीवी फुटेज के अलावा मौका–ए वारदात पर मौजूद गवाहों का बयान दर्ज करने के लिए कहा है। एसपी नार्थ जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि घटना के समय बंधे पर भी कई लोग मौजूद थे। लोगों ने सबकुछ देखा है। उन लोगों को भी जरूरत के आधार पर गवाही में शामिल किया जाएगा। आरोपित को जल्द से जल्द सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

घटना के बाद छात्रा का शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था। इसके बाद से ही परिजन उसके पोस्टमार्टम के लिए दौड़भाग कर रहे थे। परिजनों ने एसएसपी से मिलकर सारी बात बताई। केस की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने रात में ही पोस्टमार्टम कराने की व्यवस्था बनाई। रात करीब 9:45 बजे जिला अस्पताल की मोर्चरी से शव मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आधी रात में पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार की भोर में ही शव का अन्तिम संस्कार पुलिस की देख–रेख में करा दिया गया। उसके बाद भाई की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपित को पकड़ लिया।

कमरा बंद कर फांसी के फंदे से लटकी महिला, मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के मऊ गांव के गदुरहिया टोला में एक वृद्ध महिला ने कमरा बंद कर फंदे से लटक कर जान दे दी। मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कमरे का दरवाजा तोड़ कर शव को बाहर निकालने के बाद कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मऊ गांव के गदुरहिया टोला निवासी अकालमति (65) पत्नी राम आसरे बुधवार रात भोजन करने के बाद सोने चली गईं। गुरुवार सुबह देर तक नहीं उठीं तो परिजन उन्हें जगाने चले गए पर कमरे कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों ने कई बार आवाज लगाई और दरवाजा पीटा लेकिन खुला नहीं। मृतका के देवर गुल्लुर ने 112 नंबर पर फोन कर सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुंच गई। रोशनदान से झांक कर देखा तो महिला छत की कुंडी से रस्सी के सहारे लटक रही थी। अभी पुलिस वाले रोशनदान से झांक ही रहे थे कि रस्सी टूट गई और शव नीचे गिर गया। लोगों ने समझा कि वह जीवित हैं। तत्काल कमरे का दरवाजा तोड़ा गया और अंदर पहुंचे तो देखा कि महिला की सांसे थम चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। गोल्हौरा थानाध्यक्ष बृजेश सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

जिमनास्टिक प्रतियोगिता में बस्ती की टीम बनी चैंपियन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मंडल स्तरीय माध्यामिक विद्यालयीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता 2024–25 का आयोजन गुरुवार को जय किसान इंटर कॉलेज सकतपुर सनई में हुआ। इसमें फ्लोर जिम्नास्टिक के इवेंट करवाए गए। बच्चों ने बैक रोल, जंपरोल, हैंडवॉक, फ्रंट रोल, स्काई जंप आदि स्किल का प्रर्दशन किया। इसमें प्राथमिक विद्यालय विष्णोहारपुर एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय रानीपुर बस्ती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया व सिद्धार्थनगर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय बूड़ा की टीम को दूसरा स्थान मिला। मंडल स्तरीय माध्यामिक विद्यालयीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता का शुभारंभ जय किसान इंटर कॉलेज सकतपुर सनई के प्रधानाचार्य जयराम यादव ने किया।

चबूतरा ऊंचा करा रहे व्यक्ति को दरोगा और सिपाही ने पीटा, निलम्बित

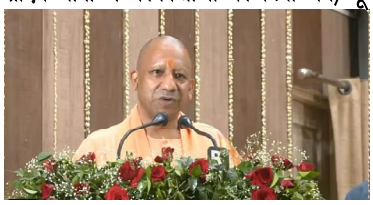

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के खिरिया गांव में शिव मंदिर के चबूतरे को ऊंचा करने को लेकर एक पक्ष की शिकायत पर चबूतरा बना रहे व्यक्ति को गुरुवार की सुबह पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आरोप है कि पुलिसवालों ने युवक की पिटाई कर दी। इसकी सूचना मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया। गांव में पुलिस पहुंची तो उन्हें महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ा। काफी प्रयास के बाद ग्रामीण शांत हुए इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में पूजा स्थल का चबूतरा ऊंचा किया गया। पिटाई का आरोप सामने आने के बाद एसएसपी ने थाने के दरोगा रवि चौधरी, कांस्टेबल विपिन यादव को निलम्बित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खिरिया के टोला कोटवां निवासी रमेश गौंड नीम के पेड़ के नीचे वर्षों से शिव जी की पूजा करते चले आ रहे हैं। प्रधान प्रतिनिधि अशोक सिंह ने बताया कि पूजा स्थल को ऊंचा करने के लिए एक चबूतरा बना रहे थे तो पड़ोस में रहने वाले दूसरे समुदाय के एक व्यक्ति ने उसे रोकते हुए पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो रमेश को हिरासत में लेकर थाने चली गई। आरोप है कि रास्ते में उसकी पिटाई भी की गयी। इसकी सूचना ग्रामीणों ने प्रधान प्रतिनिधि अशोक सिंह को दी। अशोक ने थाने पहुंच कर देखा तो रमेश के नाक से खून निकल रहा था। उसके बाद पुलिस उसे सीएचसी पर इलाज के लिए भेज दी। उधर रमेश की पिटाई की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में पुलिस के प्रति आक्रोश बढ़ गया। गांव में पुलिस पहुंची तो उन्हें महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ा। एसओ ने पिपराइच मौके पर जाकर लोगों को समझा बुझाकर शांत कराते हुए चबूतरा को ऊंचा कराया। वहीं दूसरे पक्ष के रंजू अली को हिरासत में लेकर पुलिस थाने पहुंच गई। एसएसपी ने पूरे घटना की जांच सीओ चौरी चौरा अनुराग कुमार सिंह को सौंपी। मौके पर पहुंचे सीओ ने कहा कि निर्दोष के पिटाई की जांच की जा रही है। यदि आरोप सही पाया गया तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित रमेश गौंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। वीडियो में पीड़ित का कहना है कि रास्ते में पुलिसवालों उसे काफी टार्चर करने के साथ ही उसे बुरी तरह से मारापीटा है। उसके नाक से ब्लड आ गया। उसके कपड़े खून से लाल होकर खराब हो गए तो निकलवा कर फेंकवा दिया गया। पीड़ित रमेश गौंड की पत्नी मंशा देवी ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह वर्षों से शिव जी की पूजा करती चली आ रही है। रोज की तरह गुरुवार को भी गई तो पड़ोस के रंजू अली व उसके घर की महिलाएं उससे विवाद करने लगी।

पंचायत भवन के गुणवत्ता विहीन निर्माण का आरोपः डीएम से किया शिकायत

–भारतीय बस्ती संवाददाता– –सिद्वार्थनगर (जोगिया) । विकास खण्ड जोगिया के नदवालिया ग्राम के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शपथ–पत्र देकर पंचायत भवन के घटिया निर्माण की जांच कराने की मांग किया।

शिकायती शपथ–पत्र में ग्रामीणों ने कहा है कि ग्राम नदवालिया में बने पंचायत भवन निर्माण में मानक विहीन तथा घटिया मैटेरियल का प्रयोग किया गया जिससे एक वर्ष के अंदर ही पंचायत भवन की छत खराब हो गई। साथ ही पंचायत भवन निर्माण में गुणवक्ता विहीन सीमेंट,बालू व सरिया व पुराने ईटो का उपयोग ग्राम प्रधान द्वारा किया गया है ।

ग्रामीणों द्वारा जिलाधिकारी को दिए शिकायती शपथ–पत्र में ग्राम प्रधान पर पंचायत भवन निर्माण में गुणवक्ता विहीन कार्य करा कर भारी भरकम सरकारी धन के दुरुपयोग करने का आरोप लगया गया है । शिकायत करने वालो में नरूल्लाह, सैय्यद अली, विद्या सागर, मकबूल, मजीबुल्लाह,धनश्याम, मिठाई, विक्रम, फिरोज खान, राधेश्याम, वृजलाल, कमलेश राजकुमार, राजाराम, रामसरन गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, दुक्खी मुकेश आदि ग्रामीण शामिल रहे।

सीएम योगी ने कार्यकर्ताओं को दिया मंत्र, बूथ जीतिए, चुनाव जीतिए

संवाददाता–अयोध्या। मिशन मिल्कीपुर में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधकारियों संग बैठक की। सीएम ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि बूथ जीतिए, चुनाव जीतिए। सीएम ने मंडल स्तर के पदाधिकारियों से भी सांगठनिक रिपोर्ट ली और कहा कि अधिक से अधिक सदस्य बनाकर पार्टी को मजबूत कीजिए।

सीएम योगी ने कहा कि हमें चुनाव बूथ पर लड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्र दिया है कि बूथ जीतेंगे तभी चुनाव जीतेंगे। हमें हर बूथ पर जीत दर्ज करनी है। पदाधिकारी बूथों की कटेगरी निर्धारित कर लें। ए कैटेगरी के बूथ पर बड़ी जीत दर्ज करनी है। बी कैटेगरी के बूथों को ए कैटेगरी तथा सी कैटेगरी के बूथों को बी कैटेगरी में लाना है। पं. दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस (25 सितंबर) पर पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि बूथों पर जाएं और स्थानीय लोगों से संपर्क कर उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार की तरफ से चल रही प्रदेश, अयोध्या व मिल्कीपुर में चल रहीं विकास योजनाओं के बारे में अवगत कराएं।

कार्यकर्ताओं से संवाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संगठन की योजना के अनुसार किसान, अधिवक्ता प्रबुद्ध वर्ग, व्यापारी सहित सभी वर्गों के सम्मेलन आयोजित किए जाएं। 30 सितम्बर तक सभी प्रकोष्ठों, विभागों की बैठक तथा सभी मोर्चा के सम्मेलन आयोजित हों। इसके उपरांत सभी को मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए जिम्मेदारी सौंप दी जाए।

बैठक में प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, योगी सरकार के मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मयंकेश्वर शरण सिंह, सतीश शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव, डॉ. अमित सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, शैलेन्द्र कोरी, राघवेंद्र पांडेय, सहकारी बैंक के सभापति धर्मेंद्र प्रताप सिंह, ओम प्रकाश सिंह, अवधेश पाण्डेय बादल सहित मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, मोर्चों के अध्यक्ष, प्रकोष्ठ व विभाग के संयोजक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।, **एडमिन यूनिट/जोनः**–लखनऊ–पू०उ०रे०– मण्डल – वाणिज्य/पू०उ०रे०, **नीलामी सूची सं०/लॉट सं०:**– MPS-MUR-GD-24, **नीलामी सूची प्रकाशन तिथि:**– 10.09.2024 समय 17:15 बजे, **नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट):**– 25.09.2024 समय 10:00 बजे, **नीलामी बन्द करने की तिथि व समय:**– 25.09.2024 समय 10:40 बजे, **नीलामी का प्रकार:**– Close Ended, **वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।:**–E-Auction Module of **www.ireps.gov.in**

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक

मुजाधि/वाणिज्य–137 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दूसरे की जगह पर खड़ा होकर कर दिया था बैनामा, गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के मेंहदावल तहसील क्षेत्र में 25 वर्ष से गायब व्यक्ति की जगह अपने आपको दिखा कर भूमि का बैनामा कराने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह सिद्धार्थनगर जिले का रहने वाला है। यह कार्रवाई गुमशुदा व्यक्ति के बहन की शिकायत पर हुई है। बेलहर कला थाना क्षेत्र के भरवलिया खुर्द निवासी तुलसीराम उर्फ नाथूराम लगभग 25 वर्षों से लापता है। उसके नाम से गांव में कुछ भूमि थी। उसके लम्बे समय से गायब होने की जानकारी होने पर चंद्रशेखर चौधरी निवासी शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र जनपद सिद्धार्थनगर ने खुद तुलसीराम बनकर भूमाफियाओं को जमीन का बैनामा कर दिया। मामले की जानकारी कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली नाथूराम की बहन जानकी देवी को हुई तो उन्होंने जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। जिस पर जिलाधिकारी ने उप निबंधक मेंहदावल विनोद गुप्ता को मामले के आरोपितों पर मुकदमा दर्ज करने के लिए निर्देशित किया था। उपनिबंधक की तहरीर पर मेंहदावल पुलिस छह आरोपितों के खिलाफ जालसाजी, ठगी समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर एसआई सत्येंद्र यादव के नेतृत्व में पुलिस ने मुख्य आरोपित चंद्रशेखर चौधरी पुत्र राममिलन निवासी ग्राम सियावनिनकार थाना शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। इस बारे में प्रभारी थानाध्यक्ष मेंहदावल हरिनारायण दीक्षित ने बताया कि भूमि का फर्जी तरीके से बैनामा करने के दर्ज मुकदमे में मामले में आरोपित की तलाश की जा रही थी। जिसके मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

किसानों की समस्याओं को लेकर प्रशासन पर बरसी भाकियू

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन की ओर से किसान पंचायत का आयोजन किया गया। इसमें भाकियू के पदाधिकारी किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन पर खूब बरसे। पंचायत के अंत में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित 14 सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार देवेन्द्र मणि त्रिपाठी को सौंपकर तय समय में निदान कराने की मांग की।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अपील सं0– /2024

अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला बस्ती

लाडली

बनाम

तहरून्निसा

1. तहरून्निसा पत्नी बुढ़वा साकिन बस्ती खास मो0 रसूलपुर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 04–10–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 04 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 19 माह 09 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरानी सं0– C 202017000000326

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

बंशीधरलाल श्री0 आदि

बनाम

छोटेलाल आदि

1. छोटेलाल पुत्र बेताल 2. हरीराम पुत्र औतार 3. राम गोपाल उर्फ मुन्नालाल पुत्र कृष्ण बिहारी साकिनान मौजा पड़िया खास तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती 4. ग्राम पंचायत पड़िया जरिये प्रधान निवासी पड़िया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती 5. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर बस्ती –उत्तरवादीगण

तारीख पेशी 03–10–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 03 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0– C 202217000000577

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

अभिमन्यू आदि

बनाम

अनिल कुमार आदि

1. अनिल कुमार 2. विकास पुत्रगण स्व0 जगदीश 3. किशन 4. राज कुमार 5. वीरेन्द्र 6. सुबाष 7. अजय कुमार पुत्रगण रामजी 8. श्रीमती औतारी देवी पत्नी रामजी साकिनान मौजा डबरा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर –उत्तरवादी प्रथम वर्ग 9. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 27–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 51/2022

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

बुद्धिसागर

बनाम

श्रीमती कलावती

1. श्रीमती कलावती उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी रामशंकर निवासी ग्राम गायघाट तप्पा चरकैला हाल मुकाम पाण्डेय बाजार तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 823/2022

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रियंका पाण्डेय

बनाम

श्रीमती रेखा अमित शुक्ला

1. श्रीमती रेखा अमित शुक्ला आयु लगभग 40 वर्ष पत्नी अमित शुक्ला निवासी ग्राम कोड़रा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर पोस्ट बेलहरा जिला–बस्ती
2. श्रीमती दुर्गेश पाण्डेय आयु लगभग 65 वर्ष कथित पत्नी रामकृष्ण पाण्डेय
3. शिवम् पाण्डेय आयु लगभग 10 साल नावालिग कथित पुत्र स्व0 रामकृष्ण पाण्डेय वलिया श्रीमती दुर्गेश पाण्डेय माता खुद निवासीगण ग्राम कोड़रा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com